Topic - Political Parties and Party System
Date - 04.07.2020
Seema Kumari, Asst. Prof. (Pol. Sc.), RMC, VKSU.

एकदलीय प्रणाली - (One party system)

एकदलीय प्रणाली ऐसी राजनीतिक व्यवस्था को कहते हैं जिसमें शासन का सूत्र एक ही राजनीतिक दल के हाथ में रहता है। इसके भी कई रूप हैं: -

सर्वाधिकारवादी एकदलीय प्रणाली - पूर्ववर्ती सोवियत संघ, और वर्तमान जनवादी चीन में कम्युनिस्ट पार्टी को ही काम करने की अनुमति रही है। कुछ लोग इसे अधिनायक तंत्र की श्रेणी में रखते हैं। सोवियत संघ में लेनिन तथा स्तालिन एंव चीन में माओ - त्से - तुंग ने अधिनायक सा व्यवहार किया था।

सर्वाधिकार प्रणाली एंव अधिनायक तंत्र में भिन्नता है: -

1. ↳ में विरित संविधान अपनाया जाता है, हालांकि संविधान की व्याख्या करना या उसे बदलना सतारूढ़ दल के हाथ में होता है।
2. स० प्र० में सत्ता का उत्तराधिकार कुछ नियमों के अनुसार निर्धारित होता है। जैर कानूनी ढंग से प्राप्त सत्ता को मान्यता नहीं दी जाती।
3. सतारूढ़ दल की चर्चाओं के दौरान सदस्यों को कुछ हद तक आलोचना का अधिकार भी होता है। परंतु शासन की सार्वजनिक आलोचना संभव नहीं होती और सतारूढ़ दल के विरुद्ध कोई आवाज नहीं उठाता।
4. यह नागरिकों की सामाजिक, आर्थिक राजनीतिक सभी तरह की गतिविधियों पर नियंत्रण रखती है।

कुछ ऐसे देश हैं जहां एक से अधिक राजनीतिक दलों को अनुमति तो है और अनेक दल विद्यमान भी हैं, परंतु राजनीतिक स्थिति ऐसी है कि एक ही दल का निरंतर

Scanned with CamScanner

प्रभुत्व बना रहता है। जैसे- भारत 1967-1977 से INC का, 2014- अबतक BJP का।

एकदल प्रधान प्रणाली ऐसी राजनीतिक प्रणाली है जिसमें अनेक राजनीतिक दल बनाने की अनुमति तो होती है परंतु देश की तत्कालीन राजनीतिक स्थिति के अंतर्गत एक ही दल लगातार सत्तारूढ़ रहता है या जरूरत पड़ने पर छोटे मोटे राजनीतिक दलों के साथ मिली जुली सरकार बना सकता है। विधानमंडल में दूसरे दल स्वाधीन रूप से या बिलकुल कर विपक्ष की भूमिका निभाते हैं।

द्वी दलीय प्रणाली - दो राजनीतिक दलों की प्रधानता, अन्य दल रहते हैं पर उनका प्रभाव क्षीण रहता है। जैसे:- ब्रिटिश प्रणाली, → लेबर पार्टी या कंजरवेटिव पार्टी ही सत्तारूढ़ रही है। परंतु कुछ दशक पहले लिबरल पार्टी की स्थिति मजबूत हुई है।

अमेरिका में भी - डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी है। परंतु इनके सैद्धांतिक मतभेद उतने प्रखर नहीं है।

जब किसी देश में द्वी दलीय प्रणाली स्थिर हो जाती है तो वह समाज में प्रचलित मूल्यों, मान्यताओं, उद्देश्यों और आकांक्षाओं में परस्पर निकटता का संकेत देती है। संसदीय प्रणाली के अंतर्गत द्विदलीय प्रणाली सर्वोत्तम सिद्ध होती है, क्योंकि जब एक दल सत्तारूढ होता है तब दूसरा व्यवस्थित विपक्ष के रूप में कार्य करता है।

बहुदलीय प्रणाली

जिस देश में दो से अधिक राजनीतिक दल ऐसी स्थिति में हों कि चुनाव में स्पष्ट बहुमत न मिली हो वहां बहुदलीय प्रणाली पाइ जाइ। ऐसी स्थिति में अनेक दल मिलकर मिलीजुली सरकार बनाते हैं। गठबंधन अवसर अवसरवादिता पर आधारित होता है स्वीडन, नार्वे, फ्रांस, इटली आदि देशों की शासन

Scanned with CamScanner

प्रणालियां। भारत में भी कई बार ऐसी सरकार बनी।

राजनीतिक दल लोकतंत्रीय प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सरकार बनाने और चलाने में इन दलों से बहुत सहायता मिलती है। दलीय प्रणाली अनेक हानियों की तरफ भी ध्यान खींचता है। दलों के अस्तित्व के कारण राजनीतिज्ञ राष्ट्र हित या जन हित की उपेक्षा करके प्रायः अपने दलीय हित को सर्वोपरि मानते हैं। दलों के संगठन, सभाओं और चुनाव अभियानों में करोड़ों रुपये खर्च होते हैं। राजनीति पर धन के प्रभाव के कम करने के लिए कानूनी दायरे में लाना जरूरी है।

राजनीतिक दल लोकतंत्र के रथ चक्र हैं परंतु यह चक्र कहीं अड़चन न पैदा करें इस लिए इसकी जांच परख होती रहनी चाहिए।

NEXT NOTES - Theories of Party System

Scanned with CamScanner